Roll Number:

Sl. No.	:	3458
Unique Paper Code	:	6133360025
Name of the Paper	:	Historical Perspectives on Environmental Consciousness
Name of the Course	:	B.A. (VS) Tourism Management B.A. (VS)/Marketing Management and Retail Business B.A. (VS)/Modern Office Management
Semester	:	VI
Duration	:	3 hours
Maximum Marks	:	90 Marks

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any five questions in all.
3. All questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or in Hindi, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक सूचीबद्ध करें।

2. दिए गए प्रश्नों में से कोई भी पांच प्रश्नों का उत्तर देना है।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

4. उत्तर अंग्रेजी या हिंदी में लिखा जा सकता है, लेकिन पूरे उत्तर पत्र में एक ही माध्यम का उपयोग किया जाना अनिवार्य है।

1. Ancient India's environmental consciousness, especially its civilizational harmony and symbiotic relationship with nature, served as an exemplary model worthy of emulation. Elucidate.

प्राचीन भारत की पर्यावरण चेतना, विशेषकर भारत की सभ्यतागत सद्भावना और प्रकृति के साथ समन्वयता, मानव समाज के लिए अनुकरणीय है। स्पष्ट कीजिए।

2. According to scientific studies and prevailing theories, what could have been the possible causes behind the gradual decline and eventual collapse of the Harappan Civilization?

वैज्ञानिक शोध तथा प्रचलित सिद्धांतों के अनुसार, हड़प्पा सभ्यता के क्रमिक पतन तथा उसके बाद सभ्यता के संपूर्ण समाप्ति के संभावित कारणों का वर्णन कीजिये।

3. Explain how Jain principles advocate harmonious coexistence with nature, and examine how Jainism carried the observance of nature to an extreme as an integral aspect of religious life.

किस प्रकार जैन सिद्धांत प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन पर आधारित हैं, तथा किस प्रकार जैन धर्म प्रकृति को धार्मिक जीवन के प्रमुख घटकों में से एक मानकर बहुत कठोरता से धर्म को निभाते रहे परिभाषित करें।

4. Evaluate the role of the proponents of the Bhakti movement in shaping environmental consciousness within medieval Indian thought

भक्ति आंदोलन के समर्थकों ने मध्यकालीन भारतीय चिंतन में पर्यावरणीय चेतना को किस प्रकार प्रभावित किया मूल्यांकन करें।

5. Explain how the colonial rulers recklessly exploited natural resources in India, thereby causing significant disruption to the region's previously balanced ecology

किस प्रकार औपनिवेशिक शासकों ने भारत में प्रकृति का अंधाधुंध दोहन किया, जिससे इस क्षेत्र की अब तक की संतुलित पारिस्थितिकी पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा बताइए।

6. Write an essay on how local resistance grew against the colonial regime over their forest law and how people resisted the colonial attempt to remove the rights of local people on natural resources.

औपनिवेशिक शासन के वन कानूनों के विरुद्ध स्थानीय प्रतिरोध कैसे बढ़ा, और लोगों ने प्राकृतिक संसाधनों पर स्थानीय लोगों के अधिकारों को छीनने के औपनिवेशिक प्रयास का किस प्रकार विरोध किया, इस विषय पर एक निबंध लिखिए।

7. Evaluate Mohandas Gandhi's thoughts on environmental protection and the wise use of natural resources.

पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग पर गांधीजी के विचारों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

8. Write short notes on the following topics:

i. Ganga Action Plan
ii. Chipko Movement
iii. Narmada Bachao Andolan

निम्नलिखित विषयों पर संक्षिप्त टिपण्णी दें:

क) चिपको आंदोलन

ख) नर्मदा बचाओ आंदोलन

घ) गंगा बचाओ आंदोलन